छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

पाठ्यक्रम एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध
स्वाध्यायी परीक्षा सत्रः 2020–2021

अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित हिन्दी साहित्य का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	प्रश्न पत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	कुल अंक
अनिवार्य प्रश्न पत्र				
प्रथम	आधुनिक हिन्दी काव्य (स्वच्छन्दतावादी काव्य तक)	50	20	50
द्वितीय	आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर काव्य)	50	20	50
तृतीय	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा (भाषा विज्ञान के सिद्धांत)	50	20	50
चतुर्थ	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा (हिन्दी भाषा विज्ञान)	50	20	50
पंचम	नाटक, निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं (नाटक एवं एकांकी)	50	20	50
षष्टम	नाटक, निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं (निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं)	50	20	50
वैकल्पिक – प्रश्न पत्र (क) साहित्यिक वर्ग				
सप्तम	कबीरदास (साखी)	50	20	50
अष्टम	कबीरदास (सबद एवं रमैणी)	50	20	50
सप्तम	सूरदास (सूरसागर प्रारंभिक पाठ)	50	20	50
अष्टम	सूरदास (सूरसागर–भ्रमरगीत)	50	20	50
सप्तम	तुलसीदास (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	तुलसीदास (भाग–2)	50	20	50
सप्तम	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (भाग–2)	50	20	50
सप्तम	माखनलाल चतुर्वेदी (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	माखनलाल चतुर्वेदी (भाग–2)	50	20	50
सप्तम	नाटककार जयशंकर प्रसाद (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	नाटककार जयशंकर प्रसाद (भाग–2)	50	20	50
सप्तम	नाटककार मोहन राकेश (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	नाटककार मोहन राकेश (भाग–2)	50	20	50
सप्तम	कथाकार प्रेमचंद (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	कथाकार प्रेमचंद (भाग–2)	50	20	50
वैकल्पिक – प्रश्न पत्र (ख) व्यावसायिक वर्ग				
सप्तम	प्रयोजनमूलक हिन्दी (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	प्रयोजनमूलक हिन्दी (भाग–2)	50	20	50
सप्तम	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन (भाग–2)	50	20	50
सप्तम	अनुवाद विज्ञान (भाग–1)	50	20	50
अष्टम	अनुवाद विज्ञान (भाग–2)	50	20	50
वैकल्पिक – प्रश्न पत्र (ग) लोक साहित्य				
सप्तम	लोक साहित्य (लोक साहित्य एवं लोक नाट्य)	50	20	50
अष्टम	लोक साहित्य (गाथा, संगीत एवं लोक भाषण)	50	20	50

4/12/20

4.12.20

अध्ययन मण्डल

1. संयोजक – प्रो. लक्ष्मीचंद
   शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छिन्दवाड़ा

2. सदस्य – प्रो. गोविंद सिरसाटे
   जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट

3. सदस्य – प्रो. सुशील ब्यौहार
   शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छिन्दवाड़ा

4. सदस्य – प्रो सीताराम शर्मा
   राजमाता सिंधिया शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छिन्दवाड़ा

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–प्रथम : आधुनिक हिन्दी काव्य – (स्वच्छन्दतावादी काव्य तक)

पूर्णांक–50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– व्याख्यांश– 1.मैथिलीशरण गुप्त–साकेत का नवम् सर्ग ।
2.जयशंकर प्रसाद–कामायनी (श्रद्धा, लज्जा व इड़ा सर्ग), आँसू काव्य।
3.सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–राम की शक्ति पूजा, सरोज–स्मृति,
जुही की कली, वर दे वीणावादिनी वरदे, बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु।''
4.सुमित्रानंदन पंत– प्रथम रश्मि, परिवर्तन।

इकाई –2– आधुनिक हिन्दी काव्य (स्वच्छन्दतावादी काव्य तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई –3– मैथिलीशरण गुप्त एवं जयशंकर प्रसाद से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई –4– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' एवं सुमित्रानंदन पतं से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ के निर्धारित कवि–
जगन्नाथ दास रत्नाकर, अयोध्याप्रसाद उपाध्याय 'हरिऔध', महादेवी वर्मा और
बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी, हरिवंशराय बच्चन।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18

	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.मैथिलीशरण गुप्त–पुनर्मूल्यांकन–डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली,
2.जयशंकर प्रसाद–नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद,
3.कामायनी का पुनर्मूल्यांकन–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4.कामायनी : पुनर्विचार–मुक्तिबोध
5.निराला– डॉ. रामविलास शर्मा,
6.सुमित्रानंदन पंत : जीवन और साहित्य–डॉ.शांति जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
7.हिन्दी स्वछंदतावादी काव्य : –डॉ. प्रेमशंकर (हिन्दी ग्रंथ अकादमी म.प्र.)
8.कवि निराला – नंददुलारे वाजपेयी
9.निराला की कविताएँ और काव्य भाषा – डॉ. रेखा खरे
10.निराला आत्महंता आस्था – दूध नाथ सिंह
11.प्रसाद की काव्य भाषा – रचना आनंद गौड़
12.कामायनी की टीका – विश्वम्भर मानव
13.निराला – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14.प्रसाद, निराला, अज्ञेय – डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. कविता के सौ बरस – लीलाधर मंडलोई, शिल्पायन, दिल्ली

प्रो.लक्ष्मीचंद 4.2.2020	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिन्दी)

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र –2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–द्वितीय : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर काव्य)

पूर्णांक–50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– वाख्यांश– (1) अज्ञेय– नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, हरीघास पर क्षण भर।
(2) मुक्तिबोध– भूल गलती, अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस।
(3) भवानी प्रसाद मिश्र– गीत फ़रोश, सतपुड़ा के घने जंगल।
(4) नागार्जुन– बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद।

इकाई –2– छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से संबंधित प्रश्न।

इकाई –3– अज्ञेय एवं मुक्तिबोध से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई –4– भवानी प्रसाद मिश्र और नागार्जुन से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– त्रिलोचन, सुदामा प्रसाद 'धूमिल', केदारनाथ अग्रवाल, दुष्यंत कुमार त्यागी, रघुवीर सहाय, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18
	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.कविता के नये प्रतिमान–डॉ.नामवर सिंह
2.नई कविता : स्वरूप और समस्याएँ– डॉ. जगदीश चंद्र गुप्त
3.कविता के नये प्रतिमान–डॉ. लक्ष्मीकांत वर्मा
4.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की विभिन्न प्रकृतियाँ–डॉ. सुषमा दुबे
5.मुक्तिबोध : कविता और जीवन विवेक– चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
6.निराला और मुक्तिबोध–नंदकिशोर नवल, राधा प्रकाशन, दिल्ली
7.आधुनिक हिन्दी कविता में बिंब विधान का विकास– केदारनाथ सिंह,
8.नयी कविता और अस्तित्ववाद–डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
9.नयी कविता का आत्मसंघर्ष–मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10.अज्ञेय और आधुनिक रचना समस्या – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती

4.2.2020

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–तृतीय : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा (भाषा विज्ञान के सिद्धांत)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– भाषा और भाषाविज्ञान– भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषाविज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई –2– स्वन प्रक्रिया– स्वरूप और शाखाएँ, वाग्यंत्र और उनके कार्य, स्वनिम की अवधारणा– स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई –3– व्याकरण– रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई –4– अर्थ विज्ञान– अर्थ की अवधारणा। शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ प्राप्ति के साधन और – अर्थ परिवर्तन।

इकाई –5– साहित्य और भाषाविज्ञान, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5x6=30

	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी–डॉ.सुनीति कुमार चाटुर्ज्या, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,

2.हिन्दी भाषा का इतिहास– डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,

3.आधुनिक भाषाविज्ञान– डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,

4.हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ.उदय नारायण तिवारी,. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

5.हिन्दी व्याकरण–कामता प्रसाद गुरू।

6.भाषा विज्ञान – डॉ राजमणि शर्मा।

7.आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ. राम किशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8.भाषा चिन्तन के नये आयाम – डॉ. राम किशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

9.भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि – डॉ. राम किशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

10.ग्रामीण हिन्दी बोलियाँ – हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

11. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

4.2.2020

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
स्वाध्यायी परीक्षा सत्र –2020–2021
निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध
प्रश्नपत्र–चतुर्थ : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
(हिन्दी भाषा विज्ञान)

पूर्णांक–50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि– प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ– पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्ध मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई –2– हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई –3– हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य, खंड्येतर। हिन्दी शब्द–रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य, पदक्रम और अन्विति।

इकाई –4– हिन्दी के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम–भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई –5– हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएँ : आँकड़ा –संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा–शिक्षण, देवनागरी लिपि– विशेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5x6=30

	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ. उदयनारायण तिवारी
2.भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी
3.हिन्दी व्याकरण– कामता प्रसाद 'गुरू',नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4.ग्रामीण हिन्दी बोलियाँ – हरदेव बाहरी
5.भाषा विज्ञान हिन्दी भाषा और लिपि – डॉ. रामकिशोर शर्मा
6. हिन्दी के प्रमुख बोलियों के किया रूप डॉ. रत्ना शर्मा

प्रो.लक्ष्मीचंद संयोजक	प्रो. गोविंद सिरसाटे सदस्य	प्रो. सुशील ब्यौहार सदस्य	श्री सीताराम शर्मा सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–पंचम नाटक निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ (नाटक एवं एकांकी)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– (अ) प्रसाद युगीन एवं प्रसादोत्तर नाटकों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

(ब) हिन्दी रंगमंच और उसका विस्तार।

इकाई –2– चंद्रगुप्त– जयशंकर प्रसाद।

इकाई –3– आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश, अन्धा युग – धर्मवीर भारती

इकाई –4– एकांकी– (1) दीपदान– रामकुमार वर्मा

(2) तांबे के कीड़े– भुवनेश्वर

(3) रीढ़ की हड्डी– जगदीश चंद्र माथुर

(4) तौलिये– उपेन्द्रनाथ अश्क

(5) नये मेहमान– उदयशंकर भट्ट

इकाई – 5 द्रुत पाठः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, शंकर शेष, लक्ष्मीनारायण लाल, हबीब तनवीर

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18
	50

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन–डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन,
2. हिन्दी नाटक का मसीहा : मोहन राकेश–गोविंद चातक,
3. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास–डॉ.दशरथ ओझा,
4. मोहन राकेश के साहित्य का समग्र मूल्यांकन–सुरेश चंद्र, आर्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य कोश भाग–1 (पारिभाषिक शब्दावली) भाग–2 (नामवाची) ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी।
7. मोहन राकेश और उनके नाटक – डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोक भारती प्रकाशन
8. हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष – डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोक भारती प्रकाशन

प्रो.लक्ष्मीचंद संयोजक	प्रो. गोविंद सिरसाटे सदस्य	प्रो. सुशील ब्यौहार सदस्य	श्री सीताराम शर्मा सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिन्दी)

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र –2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–षष्टम : नाटक निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ (निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ)

पूर्णांक–50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– *हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ– निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, रिपोर्ताज, डायरी एवं फीचर लेख।*

इकाई –2– *आचार्य रामचंद्र शुक्ल– चिंतामणि– कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति, क्रोध एवं आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी– कल्पलता– ,अशोक के फूल, कुटज।*

इकाई– 3 *मुक्तिबोध– एक साहित्यिक की डायरी, अज्ञेय–अरे यायावर रहेगा याद।*

इकाई –4– *हरिवंश राय बच्चन– क्या भूलूँ क्या याद करूँ। हरिशंकर परसाई– प्रतिनिधि व्यंग्य– विकलांग श्रद्धा का दौर, भोलाराम का जीव,एक दीक्षांत भाषण।*

इकाई –5– *महादेवी वर्मा– पथ के साथी– रवीन्द्रनाथ टैगोर, मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।*

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18

	50

संदर्भ ग्रंथ–

1. *हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ–डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,*
2. *प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार– डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।*
3. *हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स।*

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–कबीरदास (साखी)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– *कबीर ग्रंथावली–डॉ. श्याम सुन्दरदास*
व्याख्याएँ– साखी :–
गुरूदेव कौ अंग–प्रारंभिक 25 साखियाँ, सुमिरण कौ अंग–प्रारंभिक 25साखियाँ,
बिरह कौ अंग–प्रारंभिक 25 साखियाँ, ज्ञानबिरह कौ अंग–प्रारंभिक 10 साखियाँ,
परचा कौ अंग– प्रारंभिक 25 साखियाँ, रस कौ अंग–प्रारंभिक 08 साखियाँ,
चितावाणी कौ अंग–प्रारंभिक 25 साखियाँ, मन कौ अंग–प्रारंभिक 25साखियाँ,
माया कौ अंग–प्रारंभिक 20साखियाँ, कामी नर कौ अंग–प्रारंभिक 20साखियाँ,
साँच कौ अंग–प्रारंभिक 17साखियाँ, उपदेश कौ अंग–प्रारंभिक 05साखियाँ।

इकाई –2– निगुण भक्ति का स्वरूप, संत काव्य परंपरा एवं संत काव्य प्रवृत्ति– विशलेषण।

इकाई –3– कबीर की काव्यगत विशेषताएँ, कबीर के साहित्य का विषयगत अध्ययन।

इकाई –4– कबीर की साखियों का महत्व, कबीर के योग परक रूपक और उलटबाँसिया। कबीर की भाषा।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) नानक (2) सुन्दरदास
(3) पीपा (4) रैदास (5) सींगा

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18
	50

संदर्भः–

1.कबीर ग्रंथावली– डॉ. श्यामसुंदर दास
2.कबीरदास– डॉ. कांतिकुमार जैन, किताबघर ग्वालियर
3.संत कबीर– डॉ. रामकुमार वर्मा
4.कबीर एक अनुशीलन– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5.कबीर का रहस्यवाद– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6.कबीर वांग्मय – भाग 1,2, एवं 3 – जयदेव सिंह, वासुदेव सिंह
7.कबीर और जायसी ग्राम समाज एवं संस्कृति – डॉ. लक्ष्मीचंद, प्रकाशन संस्थान दिल्ली
8.कबीर वाणी एवं कथ्य – डॉ. रामकिशोर शर्मा
9.कबीर – डॉ. हरनाम सिंह शर्मा
10. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
11.कबीर वाणी संग्रह – डॉ. पारसनाथ तिवारी
12.कबीर एक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश
13.कबीर ग्रंथावली – डॉ. रामकिशोर शर्मा

4.2.2020

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिन्दी)

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र –2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–अष्टमः वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–कबीरदास(सबद एवं रमैणी)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– व्याख्याएँ– कबीर ग्रंथावली–डॉ.श्यामसुंदरदास–
व्याख्या एवं विवेचना के लिए कबीर ग्रंथावली से निम्नलिखित अंश निर्धारित हैं–
क. पद 1,2,7,21,23,39,40,43,44,48,49,51,52,55,59,70,92,129,133,144,150,180,288,402
= पच्चीस पद।
ख. रमैणी समग्र।

इकाई –2– आलोचनात्मक प्रश्न– कबीर का दर्शन, कबीर का रहस्यवाद, हठयोग की साधना एवं कबीर की भक्ति।

इकाई –3– कबीर समाज सुधारक रूप एवं युग सापेक्षता।

इकाई –4– सबद और रमैणी का प्रतिपाद्य, विश्लेषण। कबीर की भाषा।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) जम्भनाथ (2) लालदास
(3) मलूकदास (4) दादूदयाल (5) संत सेन

अंक विभाजन –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18
	50

संदर्भः–

1.कबीर ग्रंथावली– डॉ. श्यामसुंदर दास
2.कबीरदास– डॉ. कांतिकुमार जैन, किताबघर ग्वालियर
3.संत कबीर– डॉ. रामकुमार वर्मा
4.कबीर एक अनुशीलन– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5.कबीर का रहस्यवाद– डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6.कबीर वांग्मय – भाग 1,2, एवं 3 – जयदेव सिंह, वासुदेव सिंह
7.कबीर और जायसी ग्राम समाज एवं संस्कृति – डॉ. लक्ष्मीचंद, प्रकाशन संस्थान दिल्ली
8.कबीर वाणी एवं कथ्य – डॉ. रामकिशोर शर्मा
9. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
10.कबीर वाणी संग्रह – डॉ. पारसनाथ तिवारी
11.कबीर एक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश
12.कबीर ग्रंथावली – डॉ. रामकिशोर शर्मा

4.2.2020

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग– सूरदास (सूरसागर प्रारंभिक पाठ)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

सूरसागर सार :– डॉ धीरेन्द्र वर्मा

इकाई –1– प्रारंभ से मथुरागमन के पूर्व तक के पदों से व्याख्याएँ।

इकाई –2– निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन से पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई –3– युगीन पृष्ठभूमि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियाँ।

इकाई –4– सूरदास का जीवन वृत्त, अतं : साक्ष्य, बाह्य साक्ष्य।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) कुंभनदास (4) छीत स्वामी
(2) कृष्णदास
(3) परमानंददास

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. सूरसागरसार– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
2. सूर साहित्य– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
3. मध्यकालीन धर्म साधना– डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4. महाकवि सूर एक पुनश्चिंतन–डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा

प्रो.लक्ष्मीचंद संयोजक	प्रो. गोविंद सिरसाटे सदस्य	प्रो. सुशील ब्यौहार सदस्य	श्री सीताराम शर्मा सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिन्दी)
स्वाध्यायी परीक्षा सत्र –2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–अष्टमः वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग–सूरदास(सूरसागर–भ्रमरगीत)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– *भ्रमरगीतसार (संपा. आचार्य रामचन्द्र शुल्क)।*

इकाई –2– *भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्य धाराएँ।*

इकाई –3– *कृष्ण भक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ एवं अष्टछाप कवि।*

इकाई –4– *सूर साहित्य की पृष्ठभूमि जीवन एवं रचनाएँ।*

इकाई –5– *द्रुतपाठ–* *(1) चतुर्भुजदास,*
(2) नंददास,
(3) रसखान,
(4) मीरा।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18
	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.भ्रमरगीतसार –आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.सूर साहित्य– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
3.मध्यकालीन धर्मसाधना– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन प्रकाशन, इलाहाबाद,
4.महाकवि सूर : एक पुनश्चिंतन– डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
5.महाकवि सूरदास– आचार्य नंददुलारे बाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल।

4.2.2020

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिन्दी)

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग– तुलसीदास : भाग एक

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– पाठ्य विषय– तुलसीदास :– रामचरितमानस, (गीताप्रेस–गोरखपुर)
व्याख्यांश–रामचरितमानस–बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड और उत्तरकाण्ड।

इकाई –2– तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि– सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियाँ।

इकाई –3– रामचरितमानस से संबंधित प्रश्न।

इकाई –4– हिन्दी में रामकाव्य परंपरा और उसके अन्य कवि।

इकाई –5– द्रुतपाठ– (1) दोहावली (4) रामाज्ञा प्रश्न
(2) पार्वती मंगल (5) कृष्ण गीतावली
(3) जानकी मंगल।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18
	50

संदर्भः–

1. तुलसी साहित्य सुधा– डॉ. भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद
2. तुलसी रसायन– डॉ. भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद
3. गोस्वामी तुलसी कृत रामचरितमानस 'श्री विनायकी टीका'–म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल
4. तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानुसिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. रामचरितमानस एक साहित्यिक मूल्यांकन– सुधाकर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. रामचरितमानस (लोक भारती टीका) – डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह लोक भारती प्रकाशन।
7. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल
8. राम काव्य और तुलसी – डॉ. प्रेमशंकर।

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–अष्टमः वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग– तुलसीदास
भाग दो

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– पाठ्य विषय– कवितावली, विनय पत्रिका(गीताप्रेस–गोरखपुर)
व्याख्यांश – कवितावली, विनयपत्रिका।

इकाई –2– तुलसीदासजी का जीवन परिचय, कृतियों का परिचय।

इकाई –3– रामकाव्य परम्परा और तुलसी, भक्ति भावना, सामाजिक यथार्थ, मानव मूल्य।

इकाई –4– पाठ्यग्रंथों से संबंधित प्रश्न।

इकाई –5– द्रुतपाठ– रामभक्ति धारा के अन्य कवियों का अवदान रामानंद, नाभदास, केशवदास, सेनापति एवं हृदयराम।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x2=10
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2x6=12
समीक्षात्मक प्रश्न	3x6=18
	50

संदर्भ ग्रंथ–

1.तुलसी साहित्य सुधा– डॉ. भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद
2. तुलसी रसायन– डॉ. भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद
3.गोस्वामी तुलसी कृत रामचरितमानस 'श्री विनायकी टीका'–म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल
4.तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानुसिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल
6. राम काव्य और तुलसी – डॉ. प्रेमशंकर।

4.2.20

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.(हिन्दी) उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला भाग : एक

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– व्याख्यांश– परिमल, गीतिका और अनामिका द्वितीय।

इकाई–2– छायावाद : समग्र मूल्यांकन।

इकाई–3–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के व्यक्तित्व और कृतित्व पर समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–4– सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : काव्य शैली, काव्य भाषा, गीतिकाव्य।

इकाई–5– द्रुतपाठ– (1) जयशंकर प्रसाद
(2) सुमित्रानंदन पंत
(3) महादेवी वर्मा
(4) शिवमंगल सिंह 'सुमन'

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः–

1. निराला की साहित्य साधना– डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. निराला– सं.विश्वनाथ तिवारी
3. निराला आत्महंता आस्था– दूधनाथ सिंह
4. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा– डॉ.रेखा खरे
5. प्रसाद,निराला,अज्ञेय– डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे वाजपेयी
7. हिन्दी स्वच्छन्दतावादी काव्य : प्रेमशंकर।

प्रो.लक्ष्मीचंद 4.2.20	प्रो.गोविंद सिरसाटे	प्रो.सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.(हिन्दी) उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला भाग : दो

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– व्याख्यांश– तुलसीदास, कुकुरमुत्ता, नये पत्ते।

इकाई–2– छायावाद और छायावादोत्तर काव्य परिवेश तथा पृष्ठभूमि, राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा।

इकाई–3– निराला का व्यक्तित्व और कृतित्व पर समीक्षात्मक प्रश्न, संबंधित पाठ्य ग्रंथों पर प्रश्न।

इकाई–4– निराला पर आलोचनात्मक प्रश्न :– काव्य भाषा, निराला के गद्य साहित्य का सांकेतिक परिचय।

इकाई–5– द्रुतपाठ–
(1) हरिवंशराय बच्चन
(2) माखनलाल चतुर्वेद
(3) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(4) सुभद्राकुमारी चौहान

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भ:–

1. निराला की साहित्य साधना– डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. निराला– सं.विश्वनाथ तिवारी
3. निराला आत्महंता आस्था– दूधनाथ सिंह
4. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा– डॉ.रेखा खरे
5. प्रसाद,निराला,अज्ञेय– डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी स्वच्छन्दतावादी काव्य – प्रेमशंकर

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो.गोविंद सिरसाटे	प्रो.सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.(हिन्दी) उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

माखनलाल चतुर्वेदी भाग : एक

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– व्याख्यांश– साहित्य देवता, दीप से दीप जले।

इकाई 2– राष्ट्रीय काव्यधारा का परिवेश तथा पृष्ठभूमि।

इकाई 3–माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व और कृतित्व, साहित्य देवता पर समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई 4– माखनलाल चतुर्वेदी समग्र पर आलोचनात्मक प्रश्न तथा दीप से दीप जले पर प्रश्न।

इकाई 5– द्रुतपाठ– (1) सियाराम शरण गुप्त,
(2) रामनरेश त्रिपाठी
(3) रामधारी सिंह दिनकर
(4) नरेन्द्र शर्मा
(5) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः–

1. माखनलाल चतुर्वेदी – जीवन–ऋषि जैमिनी कौशिक बरूआ।
2. आधुनिक हिन्दी कविता – डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. समकालीन हिन्दी कविता – डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. माखनलाल चतुर्वेदी रचनावली (सेट 10 खण्डों में) – सं.श्रीकांत जोशी वाणी प्रकाशन।

4.2.20

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो.गोविंद सिरसाटे	प्रो.सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.(हिन्दी) उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

माखनलाल चतुर्वेदी भाग : दो

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– व्याख्यांश– हिम किरीटिनी, हिम तरंगिनी

इकाई 2– राष्ट्रीय काव्यधारा की पृष्ठभूमि तथा परिवेश।

इकाई 3– माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व और कृतित्व, हिम किरीटनी पर प्रश्न।

इकाई 4– माखनलाल चतुर्वेदी समग्र पर आलोचनात्मक प्रश्न, हिम तरंगिनी पर प्रश्न।

इकाई 5– द्रुतपाठ–

(1) मैथिलीशरण गुप्त
(2) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(3) सुभद्राकुमारी चौहान
(4) जगन्नाथप्रसाद मिलिन्द
(5) शिवमंगल सिंह 'सुमन'।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः–

1. माखनलाल चतुर्वेदी – जीवन–ऋषि जैमिनी कौशिक बरूआ।
2. आधुनिक हिन्दी कविता – डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. समकालीन हिन्दी कविता – डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. माखनलाल चतुर्वेदी रचनावली (सेट 10 खण्डों में) – सं.श्रीकांत जोशी वाणी प्रकाशन।

4.12.20

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो.गोविंद सिरसाटे	प्रो.सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.(हिन्दी) उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

नाटककार जयशंकर प्रसाद भाग : एक

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– व्याख्यांश– स्कंदगुप्त,चंद्रगुप्त,कामना

इकाई 2– हिन्दी नाटक परंपरा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा।

इकाई 3– प्रसाद के नाटकों की पृष्ठभूमि,रंगमंचीय परिकल्पना तथा नाट्यशास्त्रीय चिंतन।

इकाई 4– प्रसाद के पाठ्य नाटकों पर आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई 5– द्रुतपाठ–

(1) डॉ. रामकुमार वर्मा,
(2) लक्ष्मीनारायण लाल,
(3) विष्णु प्रभाकर,
(4) धर्मवीर भारती

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः– 1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास– डॉ.दशरथ ओझा,राजपाल एण्ड संस,दिल्ली।
2. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा,वाणी प्रकाशन,
3. प्रसाद के नाटकीय पात्र सृष्टि का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण–डॉ.राधेश्याम शर्मा, चिन्मय प्रकाशन,दिल्ली
4. जयशंकर प्रसाद साहित्य–संपादक–सुधाकर पाण्डेय,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी,
5. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीश रस्तोगी–भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. नाटक के सौ बरस– सं.हरीशचन्द्र अग्रवाल/अजीत पुष्कल, शिल्पायन, दिल्ली।

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो.गोविंद सिरसाटे	प्रो.सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

नाटककार जयशंकर प्रसाद भाग : दो

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– व्याख्यांश– जनमेजय का नागयज्ञ,अजातशत्रु,ध्रुवस्वामिनी

इकाई 2– प्रसाद की नाट्य कला, रंगमंच दृष्टि, ऐतिहासिक–राष्ट्रीय–सांस्कृतिक दृष्टि।

इकाई 3– जनमेजय का नागयज्ञ एवं अजातशत्रु पर समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई 4– 'ध्रुवस्वामिनी' तथा पर आलोचनात्मक प्रश्न तथा प्रसादोत्तर नाटकों पर परिचयात्मक प्रश्न।

इकाई 5– द्रुतपाठ– (1) सेठ गोविंददास,
(2) भुवनेश्वर,
(3) मोहन राकेश,
(4) सुरेन्द्र वर्मा

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः–

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास– डॉ.दशरथ ओझा,राजपाल एण्ड संस,दिल्ली।
2. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा,वाणी प्रकाशन,
3. प्रसाद के नाटकीय पात्र सृष्टि का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण–डॉ.राधेश्याम शर्मा,चिन्मय प्रकाशन, दिल्ली
4. जयशंकर प्रसाद साहित्य–संपादक–सुधाकर पाण्डेय,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी,
5. बीसवींशताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच–गिरीश रस्तोगी–भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. नाटक के सौ बरस– सं.हरीशचन्द्र अग्रवाल/अजीत पुष्कल शिल्पायन,दिल्ली।

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो.गोविंद सिरसाटे	प्रो.सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

मोहन राकेश भाग : एक

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– व्याख्यांश– आषाढ़ का एक दिन,लहरों के राजहंस।

इकाई 2– मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व। गहन मानवीय त्रासदी के रचनाकार।

इकाई 3– 'आषाढ़ का एक दिन' पर समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई 4– 'लहरों के राजहंस' पर समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई 5– द्रुतपाठ– (1) हरिकृष्ण प्रेमी
(2) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(3) सेठं गोविंद दास
(4) जगदीशचंद्र माथुर

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः–

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास– डॉ.दशरथ ओझा,राजपाल एण्ड संस,दिल्ली।
2. मोहन राकेश और उनके नाटक– गिरीश रास्तोगी
3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रास्तोगी
4. मोहन राकेश के साहित्य का समग्र,मूल्यांकन–सुरेशचन्द्र, आर्य प्रकाशन दिल्ली
5. हिन्दी नाटक का मसीहा मोहन राकेश – गोविंद चातक
6. नाटक के सौ बरस – हरीशचन्द्र अग्रवाल अजित पुष्कल, शिल्पायन दिल्ली।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास (सं.) नगेन्द्र।

4.2.20			
प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

मोहन राकेश भाग : दो

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– व्याख्यांश– आधे–अधूरे,मिट्टी की गाड़ी (अनुदित नाटक)

इकाई 2– हिन्दी नाटक की परंपरा और मोहन राकेश।

इकाई 3– समकालीन सामाजिक परिस्थितियाँ और मोहन राकेश, ' आधे – अधूरे ' पर प्रश्न।

इकाई 4– मोहन राकेश : आधुनिक बोध, ' मिट्टी की गाड़ी ' पर आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई 5– द्रुतपाठ– (1) भुवनेश्वर
(2) लक्ष्मीनारायण लाल
(3) धर्मवीर भारती
(4) सुरेन्द्र वर्मा।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः–

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास– डॉ.दशरथ ओझा,राजपाल एण्ड संस,दिल्ली।
2. मोहन राकेश और उनके नाटक– गिरीश रास्तोगी
3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रास्तोगी
4. मोहन राकेश के साहित्य का समग्र,मूल्यांकन–सुरेशचन्द्र, आर्य प्रकाशन दिल्ली
5. हिन्दी नाटक का मसीहा मोहन राकेश – गोविंद चातक
6. नाटक के सौ बरस – हरीशचन्द्र अग्रवाल, अजित पुष्कल, शिल्पायन दिल्ली।
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह।
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

कथाकार प्रेमचंद भाग : एक

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– पाठ्य विवरण एवं व्याख्यांश

1. उपन्यास – सेवा सदन, कर्मभूमि, रंगभूमि
2. कहानियाँ –
    1. बूढ़ी काकी
    2. सद्गति
    3. बड़े भाई साहब
    4. दो बैलों की कथा
    5. शतरंज के खिलाड़ी।
    6. नमक का दरोगा

इकाई 2– प्रेमचंद युगीन परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई 3– हिन्दी उपन्यास परंपरा और प्रेमचंद, पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।

इकाई 4–हिन्दी कहानी का उद्भव,विकास और प्रेमचंद, पाठ्य कहानियों की समीक्षा।

इकाई 5– द्रुतपाठ– (1) विश्वंभर नाथ शर्मा 'कौशिक'
(2) बेचन शर्मा 'उग्र'
(3) भगवती प्रसाद बाजपेयी
(4) वृंदावनलाल वर्मा।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भ:–

1. प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी,
2. कलम का सिपाही– अमृतराय
3. प्रेमचंद की कहानियाँ : भाषा एवं शिल्प– डॉ.रामकिशोर शर्मा।
4. प्रेमचंद और गोर्की– शचीरानी गुर्टु ,
5. प्रेमचंद और गांधीवाद– रामदीन गुप्त,
6. प्रेमचंद एक अध्ययन– राजेश्वर 'गुरू' ,
7. प्रेमचंद के उपन्यासों की शिल्प विधि– डॉ.कमलकिशोर गोयनका,
8. प्रेमचंद के स्त्री पात्र–प्रयागराज मेहता।
9. प्रेमचंद और उनका युग– डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकशन,दिल्ली
10. प्रेमचंद के उपन्यासों की शिल्प विधि का विकास–डॉ. कमलकिशोर गोयनका
11. प्रेमचंद : एक विवेचन– डॉ.इन्द्रनाथ मदान,
12. प्रेमचंद – नरेन्द्र कोहली,वाणी प्रकाशन,दिल्ली।

प्रो.लक्ष्मीचंद संयोजक	प्रो. गोविंद सिरसाटे सदस्य	प्रो. सुशील ब्यौहार सदस्य	श्री सीताराम शर्मा सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (क) साहित्यिक वर्ग

कथाकार प्रेमचंद भाग : दो

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– व्याख्यांश – गबन,निर्मला, गोदान (उपन्यास),
कहानी–ठाकुर कुँआ, पंच परमेश्वर, कफ़न, ईदगाह, पूस की रात, कजाकी।
इकाई 2– प्रेमचंद जीवन एवं रचना यात्रा :– उपन्यास,कहानी,पत्रकारिता।
इकाई 3– प्रेमचंद के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।
इकाई 4– प्रेमचंद की पाठ्य कहानियों की समीक्षा।
इकाई 5– द्रुतपाठ– (1) जैनेन्द्र कुमार
(2) यशपाल
(3) भगवती चरण वर्मा
(4) अमृतलाल नागर।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X5 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
व्याख्यांश	2 X6 = 12
समीक्षात्मक प्रश्न	3 X6 = 18
	50

संदर्भः–

1. प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी,
2. कलम का सिपाही– अमृतराय
3. प्रेमचंद की कहानियाँ : भाषा एवं शिल्प– डॉ.रामकिशोर शर्मा।
4. प्रेमचंद और गोर्की– शचीरानी गुर्टु ,
5. प्रेमचंद और गांधीवाद– रामदीन गुप्त,
6. प्रेमचंद एक अध्ययन– राजेश्वर 'गुरू'
7. प्रेमचंद के उपन्यासों की शिल्प विधि– डॉ.कमलकिशोर गोयनका,
8. प्रेमचंद के स्त्री पात्र–प्रयागराज मेहता।
9. प्रेमचंद और उनका युग– डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकशन,दिल्ली
10. प्रेमचंद के उपन्यासों की शिल्प विधि का विकास–डॉ. कमलकिशोर गोयनका
11. प्रेमचंद : एक विवेचन– डॉ.इन्द्रनाथ मदान,
12. प्रेमचंद – नरेन्द्र कोहली,वाणी प्रकाशन,दिल्ली।

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (ख) व्यावसायिक वर्ग

प्रयोजनमूलक हिन्दी (भाग : एक)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– कामकाजी हिन्दी –

1. हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा,संचार भाषा,राजभाषा,माध्यम भाषा,मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी,राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यः– प्रारूपण,पत्र–लेखन,संक्षेपण,पल्लवन, टिप्पणी

इकाई 2 – पारिभाषिक शब्दावली,स्वरूप एवं महत्व। पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरण एवं अर्थ तथा उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई 3 – हिन्दी कम्प्यूटिंग–

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा,उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।
2. इंटरनेट,संपर्क उपकरणों का परिचय,प्राथमिक रख–रखाव एवं इंटरनेट, समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. वेब पब्लिकेशन।
4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप।
5. लिंक,ब्राउजिंग पोर्टल,ईमेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल,डानलोडिंग एवं अपलोडिंग, साफ्टवेयर पैकेज।

इकाई 4 – पत्रकारिता :– 1. स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार। 2. हिन्दी समाचार लेखन का संक्षिप्त इतिहास। 3. समाचार लेखन कला। 4. संपादन के आधारभूत तत्व, 5. व्यावहारिक रूप प्रूफशोधन।

इकाइ 5 – 1 – पत्रकारिता :–शीर्षक की संरचना,लीड,इंट्रो एवं शीर्षक संपादन। 2. संपादकीय लेखन 3. पृष्ठसज्जा, 4. साक्षात्कार,पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, 5. प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

अंक विभाजन		
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
	लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X 5 =15
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 =30
		50

संदर्भः–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की भूमिका – डॉ. कैलाशनाथ पांडेय राजकमल प्रकाशन
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ.रामकिशोर शर्मा
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. भूमण्डलीकरण सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी – सं.पूरनचन्द्र टंडन और सुनील तिवारी

4.2.20

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (ख) व्यावसायिक वर्ग

प्रयोजनमूलक हिन्दी (भाग–2) जनसंचार माध्यम

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1–

1. मीडिया लेखन,
2. जनसंचार– प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियॉं,
3. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप –मुद्रण,श्रव्य,दृश्य–श्रव्य,इंटरनेट।
4. श्रव्य माध्यम–रेडियो,
5. मौखिक भाषा की प्रकृति,समचार लेखन एवं वाचन,रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन,विज्ञापन लेखन,फीचर तथा रिपोर्ताज

इकाई 2–

दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म,टेलीविजन,वीडियो) दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति,दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य,पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन,टेलीड्रामा, डॉक्यूड्रामा, संवाद– लेखन,साहित्यिक विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपातंरण,विज्ञापन की भाषा।

इकाई 3 –

1.अनुवाद का स्वरूप,क्षेत्र,प्रकिया एवं प्रविधि।
2.हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3.कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
4.जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
5.विज्ञापन में अनुवाद।
6.वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई 4 –

1.वाणिज्यिक अनुवाद।
2.वैज्ञानिक,तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3.विधि–साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
4.व्यावहारिक अनुवाद,अभ्यास।
5.कार्यालयीन अनुवाद–कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली,प्रशासनिक प्रयुक्तियॉं,पदनाम, विभाग आदि।
6.पत्रों के अनुवाद।
7.पदनामों,अनुभागों,दस्तावजों,प्रतिवेदनों के अनुवाद।

इकाई 5 –

1.बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
2.विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
3.साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : नाटक,कहानी,निबंध।
4.सारानुवाद।
5.दुभाषिया प्रविधि।
6.अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

4.2.20

संदर्भः– 1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की भूमिका – डॉ. कैलाशनाथ पांडेय राजकमल प्रकाशन
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ.रामकिशोर शर्मा
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. भूमण्डलीकरण सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी – सं.पूरनचन्द्र टंडन और सुनील तिवारी

4.2.20

प्रो.लक्ष्मीचंद संयोजक	प्रो. गोविंद सिरसाटे सदस्य	प्रो. सुशील ब्यौहार सदस्य	श्री सीताराम शर्मा सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध
स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (ख) व्यावसायिक वर्ग
दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन (भाग–1)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई 1– माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।

इकाई 2 – रेडियो–नाटकों का इतिहास,पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर।

इकाई 3 – टी.वी. नाटक की तकनीक। टेलीड्रामा,टेली फिल्म,डाक्यूड्रामा,तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रूप ।

इकाई 4 – साहित्यिक विधाओं की दृश्य–श्रव्य रूपांतर कला।

इकाई 5 – अनुवाद की समस्याएँ वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ। कोष एवं पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X 5 =15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 =30
	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. काव्यानुवाद – डॉ.पूरनचन्द्र टंडन
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह वाणी प्रकाशन दिल्ली
3. भूमण्डलीकरण सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी – सं.पूरनचन्द्र टंडन और सुनील तिवारी

4-2-20

प्रो.लक्ष्मीचंद
संयोजक

प्रो. गोविंद सिरसाटे
सदस्य

प्रो. सुशील ब्यौहार
सदस्य

श्री सीताराम शर्मा
सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (ख) व्यावसायिक वर्ग

दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन (भाग –2)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1 – हिन्दी माध्यम लेखन एवं संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2– रेडियो नाटक का परिचय एवं प्रमुख भेद–रेडियो धारावाहिक,रेडियो रूपांतर,रेडियो फैंटेसी,संगीत–रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री)

इकाई –3– सोशल मीडिया– मीडिया विमर्श

इकाई –4– इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि। संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा। विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई–5– संचार माध्यमों की भाषा। हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	3 X 5 =15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5 X 6 =30
	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. काव्यानुवाद – डॉ.पूरनचन्द्र टंडन
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह वाणी प्रकाशन दिल्ली
3. भूमण्डलीकरण सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी – सं.पूरनचन्द्र टंडन और सुनील तिवारी

4.2.20

प्रो.लक्ष्मीचंद संयोजक	प्रो. गोविंद सिरसाटे सदस्य	प्रो. सुशील ब्यौहार सदस्य	श्री सीताराम शर्मा सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.(हिन्दी) उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र –2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–सप्तम वैकल्पिक (ख) व्यावसायिक वर्ग–
अनुवाद विज्ञान– भाग – एक

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– *अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का महत्व।*

इकाई –2– *अनुवाद कला, विज्ञान या शिल्प। अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।*

इकाई –3– *अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना।*

इकाई –4– *अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार – कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।*

इकाई –5– *अनुवाद की समस्याएँ– सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य में अनुवाद की समस्याएँ। कोष एवं पारिभाषिक शब्दावली में निर्माण की समस्याएँ। मीडिया में अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन में अनुवाद की समस्याएँ।*

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5x6=30

संदर्भ ग्रंथ–

1. *काव्यानुवाद – डॉ. पूरनचन्द्र टंडन*
2. *विधि अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार भाग 1,2 – कृष्णगोपाल एवं पूरनचन्द्र टंडन*
3. *अनुवाद कला – एन.ई. विश्वनाथ अय्यर*
4. *अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी*
5. *अनुवाद विज्ञान – डॉ. सुरेश कुमार*
6. *अनुवाद की व्यापक की संकल्पना – डॉ. देव सिंह*
7. *अनुवाद विज्ञान की भूमिका – डॉ. के.के. गोस्वामी*

4.2.20

प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.(हिन्दी) उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र –2020–2021

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र–अष्टम वैकल्पिक (ख) व्यावसायिक वर्ग–
अनुवाद विज्ञान– भाग – दो

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1– *अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, पत्रों के अनुवाद।*

इकाई –2– *अनुवाद के क्षेत्र – वाणिज्यिक अनुवाद, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद, विधि–साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।*

इकाई –3– *अनुवाद के प्रकार – विज्ञापन में अनुवाद, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।*

इकाई –4– *बैंक साहित्य के अनुवाद,*
सारानुवाद, दुभाषिया, प्रविधि
जनसंचार माध्यमों में अनुवाद

इकाई –5– *साहित्यिक अनुवाद में सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक आदि अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।*

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1=5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5x3=15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5x6=30

संदर्भ ग्रंथ–

1. *काव्यानुवाद – डॉ. पूरनचन्द्र टंडन*
2. *विधि अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार भाग 1,2 – कृष्णगोपाल एवं पूरनचन्द्र टंडन*
3. *अनुवाद कला – एन.ई. विश्वनाथ अैयर*
4. *अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी*
5. *अनुवाद विज्ञान – डॉ. सुरेश कुमार*
6. *अनुवाद की व्यापक की संकल्पना – डॉ. देव सिंह*
7. *अनुवाद विज्ञान की भूमिका – डॉ. के.के. गोस्वामी*

प्रो.लक्ष्मीचंद 4.2.20	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– सप्तम : वैकल्पिक (ग) लोक साहित्य

(लोक साहित्य एवं लोक नाट्य)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई –1 – लोक साहित्य का आशय,लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ।
इकाई –2 – लोक साहित्य के प्रमुख रूपों क वर्गीकरण – लोकगीत,लोकनाट्य लोककथा,लोकगाथा लोकनृत्य–नाट्य लोकसंगीत।
इकाई –3 – लोक नाट्य रामलीला,रासलीला,कीर्तनियॉ,स्वांग,यक्षगान,भवाई संपेड़ा,विदेसिया,माच,भाँड़, तमाशा,नौटंकी,जात्रा,कथकली।
इकाई –4 – हिन्दी लोक–नाट्य की परंपरा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।
इकाई –5 – लोक–कथाः व्रत–कथा,परा–कथा,नाग–कथा,बोध–कथा,कथानक–रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X3 =15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5 X6 = 30
	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. लोक साहित्य विज्ञान–डॉ.सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य की भूमिका–कृष्णदेव उपाध्याय,साहित्य भवन,इलाहबाद,
3. लोक साहित्य का अध्ययन–डॉ.त्रिलोचन पांडेय,प्रवीण प्रकाशन,दिल्ली,
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा– कृष्णदेव उपाध्याय,लोक संस्कृति शोध संस्थान,वाराणसी
5. लोक परंपरा–पहचान और प्रवाह–श्यामसुंदर दुबे,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
6. बुंदेलखण्ड के लोकगीत–डॉ.सुषमा दुबे,सुरूचि प्रकाशन,जबलपुर।

प्रो.लक्ष्मीचंद 4/2/20	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दी उत्तरार्द्ध

स्वाध्यायी परीक्षा सत्र 2020–21

निर्धारित पाठ्यक्रम – एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र– अष्टम : वैकल्पिक (ग) लोक साहित्य

(गाथा, संगीत एवं लोक भाषण)

पूर्णांक – 50
उत्तीर्णांक – 20

इकाई – 1 – लोक – गाथा, ढोला – मारू, गोपीचंद्र – भरथरी, लोरिक – चंदा, नल–दमयंती, लैला – मजनूँ , हीर – रांझा, सोहनी – महीवाल, आल्हा – हरदौल।

इकाई – 2 – लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ठ लोक धुन।

इकाई – 3 – लोक–नृत्य नाट्य।

इकाई – 4 – लोक–भाषा : लोक–सुभाषित, मुहावरे, कहावतें,पहेलियाँ।

इकाई – 5 – निम्नलिखित जनपदीय भाषाओं के लोक–साहित्य में से किसी एक का अध्ययन खड़ीबोली,छत्तीसगढ़ी,बघेली,मालवी,बुंदेली।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 X1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X3 =15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5 X6 = 30
	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. लोक साहित्य विज्ञान–डॉ.सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य की भूमिका–कृष्णदेव उपाध्याय,साहित्य भवन,इलाहबाद,
3. लोक साहित्य का अध्ययन–डॉ.त्रिलोचन पांडेय,प्रवीण प्रकाशन,दिल्ली,
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा– कृष्णदेव उपाध्याय,लोक संस्कृति शोध संस्थान,वाराणसी
5. लोक परंपरा–पहचान और प्रवाह–श्यामसुंदर दुबे,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
6. बुंदेलखण्ड के लोकगीत–डॉ.सुषमा दुबे,सुरूचि प्रकाशन,जबलपुर।

4/2/20			
प्रो.लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	श्री सीताराम शर्मा
संयोजक	सदस्य	सदस्य	सदस्य